

18⁹/₂₅ आज यह पत्रावली पेच डी
के भी उपर नहीं है। बाकी क
कमील का बाह-बाह भाजाज लगाए
गर किन्तु मोर भी उपर नहीं है। वडी
व उनमें कमील के वाक्यद रचना के
कारण हमें ल पत्रावली हासल हावये
पेच की रसाहित भी जाती है। पत्रावली
केवल धूम होय नकर से मत है
बाद ही दारिल हावला है।

उपखण्ड अधिकारी
बहरोड़ (कोटपूतली-बहरोड़)